بسم الله الرحمن الرحيم

دِيوَسْمُچ ءِ ءَدُو ثِشْءَبَر، ثُرِدِچِ ءَسْءَ سْمُسَءُو سَءَرِوِسَسْ

ءِءَدُّوَبِرِثِرِئُ، دَرِچِرِدَدُ / دُّثُ، ءِرِثُرِبُّءَثِ

## ءِءْ رُسَرَبُّ ثُرْدْ

**"ثُبَرَسْرِچِسْرُ ءِرُثُسْچِوُسَرَسْ ءْثَءِرِسْرُ" ثُبَرْدُبُّدْءَبَءَسْ ثَرُدُّبَرْسْ، دُّسْءَبَر ءْثَءِرِسَرْسْ ءَدْءِرِسْرْبَرْسْ 2021 وَسَر ءَرَبْ 5 ءَدَّثُءَسْءَرِ دِ ثُبَرْدُبُّدْ بَرِءَرَسْرُسْثُرَّسْ رُبَّءَسْءَسْ ثَسْرُسْرُءَسْءَ.**

ءِءَدُّوَسْ سَرَسْءَبَر:(IUL)459-PL/459/2021/30

ثُءِبِرْ:7 دُّءِبَرُ 2021

**بَسْرُدُسِ/ ءَدُرُسَرَبُّءَرُّءَسُ دَءَدُّدُّءَ:**

| سَرَسْ | ءَسْءَثَسْ | ءَءِ.ءِ بُّءْ/بَرِچِسْءُچِ سَرَسْءَبَر | ءُثُّسْ سَرَسْءَبَر |
|---|---|---|---|
| | | | |

**دَسَءَسْبَءُسُ ءَدُّءِ دُسْءَرَسْ:**

| رُسَرَبُّ ءَدُسُ ءُدُسَ (دَسَءَسْبَءُسُ ءَدُ ءِ.ءَسْ.ءِ رِدَسَءِسُسْ) ءِرِثُرِ بَرُءِدُّءِسْ |
|---|
| |

**ءَرُچْ ءِرِءُ:**

| # | دَسَءَسْبَءُ | دَسَءَسْبَءُسُ ءَدُ (ءَ) | ثُبَرِزُ | بَسْرُدُسِ / ءَبُءِسْ |
|---|---|---|---|---|
| 1 | | | | |
| 2 | | | | |
| 3 | | | | |
| 4 | | | | |
| 5 | | | | |
| 6 | | | | |
| 7 | | | | |
| 8 | | | | |
| 9 | | | | |
| 10 | | | | |
| 11 | | | | |
| 12 | | | | |
| 13 | | | | |
| 14 | | | | |
| 15 | | | | |

**دَءِدَءِدُّ دَءَدُّدُّءَ ثُءَءِ وَبُّءَ:**

| سَرَسْ | دَثُّدْ | ءَءِ.ءِ بُّءْ سَرَسْءَبَر | ءَءْثَسْ | دُّءَءِدُ سَرَسْءَبَر | سُءِ | سُءَدْءُ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | |